vkjñ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 12 vad % 35 y[kuÅ] exyokj 21 fnlEcj ls 27 fnlEcj] 2021 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

प्रधानमंत्री मोदी ने सीईओ संग की बैठक, अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की शाम प्रमुख कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत की। इसे बजट सत्र से पहले निजी क्षेत्र से सुझाव प्राप्त करने वाली बैठक बताई जा रही है। समाचार एजेंसी एएनआई ने प्रधानमंत्री मोदी संग बैठक का वीडियो साझा किया। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, कंज्यूमर गुड्स, टेक्सटाइल, रिन्यूएबल, हॉस्पिटैलिटी, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, स्पेस, इलेक्ट्र निक्स सेक्टर की कंपनियों के प्रमुख सीईओ के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बताया था कि यह छठी ऐसी वार्षिक बातचीत है, जो २०१६ में शुरू हुई थी। इसमें

तेल तथा गैस क्षेत्र के वैश्विक नेता शामिल होते हैं। पीएमओ ने बताया था कि इस बैठक में प्रमुख मुद्दों और भारत के साथ सहयोग तथा निवेश के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए विचार–विमर्श होता है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीईओ और एमडी राजेश गोपीनाथन ने बताया कि अनुसंधान, नवाचार पर उनका फोकस है। क्षमता में उनका विश्वास है कि भारत को और आगे बढ़ना है। उन्होंने एक बहुत स्पष्ट विजन रखा कि हर उद्योग में, हर क्षेत्र में शीर्ष ५ में हमें होना चाहिए, संभव हो तो नंबर १ पर। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व से इस तरह की बातें देश को वर्तमान सफलता से आगे बढ़ने के लिए उत्साहित करेंगी।

पूर्ववर्ती सरकार पर बरसे योगी आदित्यनाथ, बोले– विकास का नहीं था कोई एजेंडा, परिवार ही उनकी सोच थी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को मिर्जापुर में ३,०३७ करोड़ रुपए की लागत से बने १४६ किमी लम्बे ४ राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश को बहुत कुछ दिया है। नितिन गडकरी जी आज इन राजमार्गों के लोकार्पण के लिए यहां आए हैं, मैं उनका स्वागत करता हूं। इसी बीच मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार की सोच संकुचित थी, विकास का कोई एजेंडा नहीं था, सिर्फ परिवार ही उनकी सोच में था। २०१४ के बाद जो सरकार आई, उसके लिए पूरा देश ही उसका परिवार है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से सड़क ट्रांसपोर्ट के मामले में जितना कार्य २०१४ तक नहीं हुआ था उससे अधिक २०१४ के बाद से अब तक

हो चुका है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस देश का शासक अपने नागरिकों के प्रति सम्मान रखता हो, उनका दर्द समझता हो, किसानों की परिस्थितियों को समझता हो, उस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि आज हर किसी को नौकरी मिल रही है बिना भेदभाव से, लेकिन पहले नौकरी सिर्फ एक परिवार तक ही सीमित रहती थी। प्रदेश में नौकरी निकलते ही एक परिवार वसूली पर निकल पड़ता था। वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश की जनता से योगी आदित्यनाथ का साथ देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आप योगी जी का साथ दें, डबल इंजन की सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में आने वाले पांच सालों में आठ लाख करोड़ रुपये के काम होंगे, मैं ये वचन देता हूं। उन्होंने कहा कि आज यूपी की तस्वीर बदल रह है, यहां अच्छे स्कूल खुल रहे हैं, स्कूलों में सुविधाएं बढ़ रही हैं, मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं, उद्योग लग रहे हैं, ये विकास है।

कोरोना के 27 नए मामले हुए दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय पशुधन प्रबन्धन कार्यक्रम के तहत इन्नोवेटिव पोल्ट्री प्रोडक्टिविटी प्रोजेक्ट फार लो इनपुट टेक्नोलॉजी

बर्डस योजना के लिए २४.१८ लाख (रुपये चौबीस लाख अठ्ठारह हजार मात्र) रुपये की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वींत की है। स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत किया जायेगा। पशुधन विभाग द्वारा इस संबंध में शासनादेश जारी करते हुए योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन के लिए निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को आवश्यक दिशा–निर्देश दे दिए गए हैं। शासनादेश में कहा गया है कि स्वींत धनराशि का आहरण एवं व्यय भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा एस०सी०एस०पी०/टी०एस०पी० हेतु निर्धारित मानकों व दिशा–निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल १,५२,५०६ सैम्पल की जांच की गयी, जिसमें कोरोना संक्रमण के २७ नये मामले आये हैं। प्रदेश में अब तक कुल ६,०६,०२,८५५ सैम्पल की जांच की गयी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले २४ घंटे में २० तथा अब तक कुल १६,८७,६०४ लोग कोविड–१६ से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल २०३ एक्टिव मामले हैं। प्रसाद ने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल एक दिन में ३,८६,८६४ डोज दी गयी।

लोकसभा ने जैव विविधता विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा

नयी दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को जैव विविधता विधेयक को विचारार्थ संसद के दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेज दिया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने

विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इस समिति में लोकसभा के २१ और राज्यसभा के १० सदस्य शामिल होंगे। उम्मीद की जाती है कि समिति अगले सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन अपनी रिपोर्ट निचले सदन को देगी। लोकसभा से इस समिति में भाजपा के संजय जायसवाल, दीया कुमारी, अपराजिता सारंगी, राजू बिष्ट, पल्लब लोचन दास, संतोष पांडेय, प्रताप सिम्हा, जुगल किशोर शर्मा, बृजेंद्र सिंह, अजय टम्टा और जगदम्बिका पाल, कांग्रेस के गौरव गोगोई एवं एस ज्योतिमणि, द्रमुक के ए राजा, तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष दस्तीदार, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के कोटागिरी श्रीधर, शिवसेना के प्रताप राव जाधव, जदयू के सुनील कुमार पिंटू, बीजू जनता दल अच्युतानंद सामंत और बहुजन समाज पार्टी रितेश पांडेय शामिल किए गए हैं। राज्यसभा की ओर से भी इस समिति के लिए जल्द ही सदस्यों को नामित किए जाने की संभावना है। इस विधेयक में जैव विविधिता अधिनियम २००२ के कुछ नियमों में ढील देने के प्रावधान किया गया है ताकि अनुसंधान को गति दी जा सके। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इस विधेयक को संसद की स्थायी समिति के पास भेजने का आग्रह किया था।

राज्य स्कूलों में भगवद गीता और भोजपुरी पढ़ाने के लिए प्रावधान कर सकते हैं : सरकार

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि राज्य सरकारें अगर चाहें तो स्कूलों में भगवद गीता पढ़ाने का प्रावधान कर सकती हैं। शिक्षा राज्य मंत्री

अन्नपूर्णा देवी ने निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह टिप्पणी की। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों में भोजपुरी पढ़ाए जाने के प्रावधान भी राज्य सरकारें कर सकती हैं। मंत्री ने कहा कि नयी शिक्षा नीति के तहत बच्चों को क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, “शिक्षा राज्यों का विषय है। अगर वे चाहते हैं तो वे अपना यहां पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल कर सकते हैं।” अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि सीबीएसई के तहत कई कक्षाओं में भगवद गीता पढ़ाई जा रही है। पूरक प्रश्न पूछने के दौरान शेट्टी ने सदन में नारेबाजी कर रहे सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों को भी भगवद गीता पढ़ना चाहिए ताकि वे भी अच्छा काम करने का ज्ञान ले सकें। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

सम्पादकीय

शादी की कानूनी उम्र 21 साल विपक्षी दल का विरोध क्यों..?

केंद्र सरकार महिलाओं की शादी की कानूनी उम्र २१ साल करने के लिए संसद में बिल पेश करने जा रही है। केंद्रीय कैबिनेट इस बिल पर अपनी मुहर लगा चुकी है, लेकिन कई विपक्षी दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वाले दलों में अब कांग्रेस भी शामिल हो गई है, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में तय किया है कि वह महिलाओं की शादी की न्यूनतम उम्र १८ से २१ साल की है जाने के मकसद से लाए जाने वाले बिल का विरोध करेगी। पार्टी का साफ कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा जा रहे इस बिल की मंशा पर शक है। माना जा रहा है कि आज या कल में यह बिल संसद के पटल पर रखा जा सकता है। कांग्रेस के इस बिल के विरोध में उतर जाने के बाद विपक्षी दलों के तर्कों को भी मजबूती मिलेगी जो बहुत पहले से इस बिल का विरोध कर रहे थे। दरअसल विपक्षी दलों का कहना है कि इस बिल को समीक्षा के लिए स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा, शीतकालीन सत्र के आखिरी दिनों में मोदी सरकार का महिलाओं की शादी की उम्र २१ साल करने के लिए बिल लाने की जल्दी देख यह कदम संदेह और राजनीति से प्रेरित कदम लगता है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस प्रस्ताव का पार्टियों और संगठनों की ओर से पहले ही कड़ा विरोध शुरू किया जा चुका है। वे इस कदम को अवैज्ञानिक, यथार्थ से परे अर्थहीन बताकर खारिज कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि, खासतौर से ग्रामीण इलाकों की युवा महिलाओं को शिक्षा और उनके आर्थिक उत्थान के लिए कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने इस प्रस्ताव को लाने से पहले उचित चर्चा नहीं की। और ऐसे में कांग्रेस पार्टी सरकार द्वारा लाए ऐसे किसी भी बिल के खिलाफ है। केसी वेणुगोपाल कांग्रेस और गांधी परिवार के प्रमुख सियासी सहयोगी भी हैं। केसी वेणुगोपाल ने कहा सचमुच में अगर मोदी सरकार गंभीर है और महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है तो उसे लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़े महिला आरक्षण बिल को फौरन संसद में लाना चाहिए। आपको बता दें कि महिला आरक्षण बिल में महिलाओं के लिए ३३: आरक्षण का प्रस्ताव है। यूपीए–२ के दौरान महिला कोटा बिल राज्यसभा से पास हो गया था, और उसे लोकसभा की मंजूरी चाहिए थी। केसी वेणुगोपाल कहते हैं कि केंद्र सरकार को महिलाओं की शादी की न्यूनतम आयु २१ साल करने वाला यह बिल लाने से पहले अलग–अलग महिला जनप्रतिनिधियों और संगठनों के साथ परामर्श करना चाहिए। केसी वेणुगोपाल ने इस प्रस्ताव को लाने का समय और मंशा पर संदेह और सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि, सरकार का इस प्रस्ताव को लाने के पीछे का कारण किसानों के मुद्दे, लखीमपुर कांड और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे और ऐसे कई वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाना है। और भी ऐसे कई मुद्दे हैं जिनमें महंगाई, बेरोजगारी जैसे मसले शामिल हैं।

राजा भैया के खिलाफ सीबीआई ने फिर शुरू की जांच

लखनऊ। पूर्व कैबिनेट मंत्री और जनसत्ता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ एक बार फिर सीबीआई ने जांच शुरू कर साक्ष्यों को जुटाना शुरू कर दिया है। इस बार जांच की आंच कहां तक पहुंचेगी, इसपर सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

सीबीआई ने फिर से केस से जुड़ी सभी कड़ियों को जोड़ना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही केस से जुड़े लोगों के दोबारा बयान भी दर्ज करने की तैयारी है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया इस केस जुड़े कई सवालों की सूची भी सीबीआई ने तैयार की है, जिनका सामना राजा भैया को करना पड़ेगा। कोर्ट में दोबारा फजीहत का सामना न करना पड़े इसके लिए सीबीआई के अधिकारी केस के हर बिंदु को गहराई से खंगालेंगे। बता दें कि सीबीआई केस की दोबारा छानबीन इसी इसी साल अक्टूबर माह में करने की तैयारी की थ्थी। लेकिन मामला फिर तीन माह टल गया। बीते शुक्रवार को सीबीआई की टीम कुंडा बलीपुर गांव पहुंची थी। इस दौरान सीबीआई ने घटना स्थल का भी निरीक्षण किया था। मार्च २०१३ में विधानसभा क्षेत्र कुंडा के बलीपुर गांव में प्रधान व उसके भाई की हत्या हो गई थी। उस समय तत्कालीन सीओ जियाउल हक वहां पहुंचे तो भीड़ ने उन पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। सीओ की पत्नी ने परवीन आजाद ने आरोप लगाया था कि भीड़ में शामिल राजा भैया के लोगों ने उनके इशारे पर ही सीओ की हत्या की है। क्योंकि किसी मामले में राजा भैया के साइन होने थे, सीओ उनके पास न जाकर राजा भैया को अपने कार्यालय पर बुला रहे थे।

सुकन्या समृद्धि योजना : उत्तर प्रदेश योजना के तहत खाता खोलने में देश में शीर्ष पर

मुमताज अली

भारत में आजादी के बाद से ही केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें महिलाओं के सशिक्तकरण के लिए काम कर रही हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं के चलते महिलाओं की दशा में परिवर्तन तो हुआ परंतु इसकी गति वो नहीं थी जिसकी अपेक्षा सरकारों ने की थी। समाज में लड़कियों को बोझ समझा जाने लगा। लोग गर्भ में पल रहे शिशु का अल्ट्रासाउंड के जरिये पता लगाने लगे और लड़की होने पर उन्हे गर्भ में ही 'भ्रूण हत्या' के जरिये खत्म किया जाने लगा। मजबूरन संसद को 'गर्भादान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन रोकथाम) अधिनियम–१९९४' को पारित करना पड़ा। यह अधिनियम एक जनवरी १९९६ से प्रभावी हुआ। सन् २००२ में इसे संशोधित किया गया। इस कानून के बनने के बाद बालिका जन्म दर में मामूली वृद्धि हुई क्योंकि अभी भी समाज के कई वर्गों ने लड़कियों के पालन–पोषण और उनकी शिक्षा–दीक्षा को सिर्फ धन की बर्बादी समझा था। २०१४ में केन्द्र में सत्ता परिवर्तन हुआ। नई सरकार ने नये सिरे से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। परिणाम स्वरूप केन्द्र सरकार की कई योजनाएं सिर्फ और सिर्फ महिलाओं के लिए सृजित की गई। इनके माध्यम से देश की करोड़ों महिलाओं को फायदा हो रहा है। 'प्रधानमंत्री उज्जवला योजना', बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, मुफ्त सिलाई मशीन, महिला शक्ति केन्द्र और सुकन्या समृद्धि योजना आदि कुछ ऐसी ही योजनाएं है। इन योजनाओं ने भारतीय नारियों को हर प्रकार से सशक्त किया है। महिला आधारित सभी योजनाओं की कुछ न कुछ विशेषताएं हैं लेकिन प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना छोटी बच्चियों के भविष्य को ध्यान में रखकर बनायी गई है। योजना के तहत जन्म से लेकर १० वर्ष तक की कन्याओं के खाते डाकघर या बैंकों में खोले जाते हैं। बालिका की शादी या खाता खोलने की अवधि से २१ वर्ष पूर्ण होने पर परिपक्वता राशि महिला लाभार्थी को दी जाती है। बीच में बालिका के दसवीं पास करने के बाद भी ५० प्रतिशत राशि निकाली जा सकती है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये ब्याज का निर्धारण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा ब्याज दर ७.६ प्रतिशत निर्धारित किया गया है, जो कि किसी भी प्रकार के खाते पर मिलने वाली सबसे अधिक ब्याज दर है। इस योजना के क्रांतिकारी परिणाम देखने को मिले। योजना से पहले जहां बालिका जन्म दर कम थी वह साल दर साल बढ़ने लगी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ.एच.एस.) के पांचवे सर्वेक्षण के अनुसार भारत में प्रति १००० पुरूषों पर १०२० महिलाएं हैं। इतने अच्छे आंकड़े इससे पहले कभी भी देखने को नहीं मिले। अगर हम जनगणना के आंकड़ों की बात करें तो २०११ की जनगणना के अनुसार भारत में १००० पुरुषों पर सिर्फ ९३३ महिलाएं

थी। एन.एफ.एच.एस. के जिस पांचवे सर्वेक्षण के आंकड़े उपर दिये गए हैं, वो दो चरणों में हुआ। पहला चरण कोविड महामारी आने से पूर्व १७ जून २०१९ से १ जनवरी २०२० तक चला और दूसरा चरण २ जनवरी २०२० से ३० अप्रैल २०२१ तक चला। इससे पहले एन.एफ.एच.एस. ने चार सर्वेक्षण किये। ये सर्वेक्षण १९९२ से लेकर २०१६ तक किये गए। १००० पुरुषों पर १०२० महिलाओं का होना इस बात को दर्शाता है कि अब समाज में बच्चियों के प्रति लोगों की सोच में परिवर्तन हो रहा है। विशेषज्ञों की माने तो २०१५ के बाद से लोगों की सोच बदली है। पहले पुत्रियों को इसलिए प्राथमिकता नहीं दी जाती थी क्योंकि उनके पालन और शादी में काफी पैसा खर्च होता था। २०१५ में सुकन्या समृद्धि योजना शुरू होने से अभिभावकों को काफी राहत मिली है और उनका बोझ कम हुआ है। इस योजना के तहत माता–पिता छोटी–छोटी बचतों को खाते में डालते हैं। इस जमा राशि पर सबसे अधिक ब्याज दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने २२ जनवरी २०१५ में इस योजना की शुरूआत हरियाणा के पानीपत में की थी। सुकन्या समृद्धि योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ३१ अक्टूबर २०२१ तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार भारत में प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना के तहत २,६७,०२,८२० खाते खुल चुके हैं। इन खातों में कुल जमा धनराशि की बात की जाये तो यह १,१७,६२६.५३ करोड़ रुपए है। उत्तर प्रदेश में ३१ मार्च २०१५ तक इस योजना के तहत कुल २५,७६६ खाते खोले गए और इन खातों में ६.५२ करोड़ रुपए जमा किये गए। ठीक एक साल बाद यह संख्या ७,६६,८८८ हो गई जमा राशि में भी सौ गुने से अधिक का इजाफा हुआ। और यह राशि ६६४.७४ करोड़ रुपए हो गयी। साल २०१७ में प्रदेश में नई सरकार बन गई। केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार ने इस योजना को और अधिक गति दी और सरकार गठन के लगभग एक साल बाद ३१ मार्च २०१८ को सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खुलने वाले खातों की संख्या १३,०३,६१० हो गई। मार्च २०१८ के अंत तक ३,३८७ करोड़ रुपए से अधिक की रकम जमा हो चुकी थी। प्रदेश और केन्द्र की सरकारों ने मिलकर इसके लिए जागरुकता अभियान चलाये। गांव की पंचायतों के माध्यम से भी जनता को सुकन्या समृद्धि योजना के फायदे बताये गए। सरकार की मुहिम रंग लाई, लोग अब न सिर्फ बेटियों को बचा रहे हैं बल्कि उन्हे पढ़ा भी रहे है। उनके भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' में निवेश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ३१ अक्टूबर २०२१ तक कुल २६,१२,६३२ खाते सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पंजींत हो चुके हैं। इन खातों में कुल जमा रकम की बात की जाये तो वह १२,७०५.८४ करोड़ रुपए हो गई है। मौजूदा प्रदेश सरकार के कार्यकाल में लगभग साढ़े अठारह लाख खाते इस योजना में पंजींत किये गये हैं। उत्तर प्रदेश के लिए यह भी गर्व का विषय है कि वह सुकन्या खाता खोलने के मामले में भारत के सभी राज्यों की सूची में शीर्ष पर है। राष्ट्रीय बचत संस्थान के अनुसार एक वित्तीय वर्ष में इस खाते में न्यूनतम २५० रुपए और अधिकतम १,५०,००० रुपए जमा किये जा सकते हैं। खाता कन्या के नाम से उसके माता–पिता या अभिभावक द्वारा खोला जा सकता है। ये खाता डाकघर या अधिंत बैंक में खोला जा सकता है। खाता खोलने की तिथि को कन्या की आयु १० वर्ष से कम होनी चाहिए। एक बालिका के नाम से सिर्फ और सिर्फ एक ही खाता खोला जा सकता है। बालिका की उच्च शिक्षा में होने वाले खर्च के लिए खाते से रकम को निकाला जा सकता है। खाता खोलने की तिथि से २१ वर्ष पूरे होने पर खाता परिपक्व हो जायेगा, लेकिन कन्या की आयु १८ वर्ष पूरी होने पर यदि उसकी शादी हो जाती है तो इसे तय समय सीमा से पहले भी बंद किया जा सकता है। लोगों को इस योजना की ओर आकर्षित करने के लिए खाते की जमा राशि पर आयकर अधिनियम की धारा ८०–सी के तहत छूट प्रदान की जाती है। यही नहीं खाते में जमा राशि पर जो भी ब्याज लगेगा, वह भी आयकर अधिनियम की धारा १० के अन्तर्गत कर मुक्त होगा। अपनी इन्हीं सब विशेषताओं के कारण आम जनमानस में इस योजना को लेकर काफी उत्साह है। लोग अपनी कन्याओं को इसके माध्यम से समृद्धि की ओर ले जा रहे हैं।

योगी सरकार हर श्रमिक को दो किस्तों में देगी 2000 रुपये भरण–पोषण भत्ता

लखनऊ। बजट में हुई घोषणा पर योगी सरकार ने अमल शुरू कर दिया है। सरकार प्रदेश के हर श्रमिक को दो किस्तों में दो हजार रुपये भरण–पोषण भत्ता देगी। जनवरी २०२२ में इसकी पहली किस्त मिलेगी। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के तहत यह व्यवस्था की गई है। इसके सिलसिले में समाज कल्याण विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के तहत ३१ दिसंबर तक पंजींत असंगठित श्रमिकों को अगले चार महीने तक पांच रुपये प्रति माह की दर से यह भत्ता दिया जाएगा। इसे दो किस्तों में एक–एक हजार रुपये दिये जाने का निर्देश दिया गया है। उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के माध्यम से दिया जाएगा। इस योजना का लाभ उन श्रमिकों को मिलेगा जो किसान सम्मान निधि योजना या किसी अन्य योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं। शासनादेश में पात्र अभ्यर्थियों को आधार से लिंक करने को कहा गया है। बोर्ड आधार कार्ड से बैंक खातों की जांच करेगा, ताकि किसी को दो योजनाओं का लाभ न मिल सके। लाभार्थियों के बैंक के खाते में भरण–पोषण भत्ते की राशि भेजी जाएगी। राज्य सरकार ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तहत संचालित दिव्यांग भरण–पोषण (दिव्यांग पेंशन) अनुदान योजना के तहत पात्र दिव्यांगजन को दी जाने वाली मासिक अनुदान राशि १००० रुपये प्रतिमाह किये जाने की

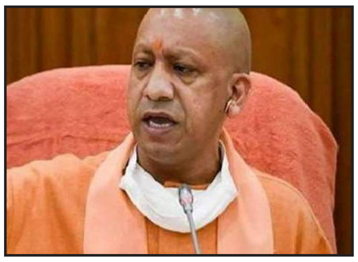

स्वीकृति दे दी है। इस सम्बंध में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर दिये गये हैं। इस योजना के अन्तर्गत दिव्यांग पेंशन का मासिक अनुदान राशि ५०० रुपये प्रतिमाह को बढ़ाकर १००० रुपये प्रतिमाह की गई है। पूर्व में यह अनुदान इसके साथ ही ऐसे दिव्यांगजन जो भारत सरकार द्वारा संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना से आच्छादित हो रहे हैं, उनकी भी अनुदान राशि ५०० रुपये प्रतिमाह को बढ़ाकर १००० रुपये प्रतिमाह किये जाने की भी स्वींति प्रदान की गयी है। इस बढ़ी हुई धनराशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। दिव्यांग भरण–पोषण (दिव्यांग पेंशन) अनुदान योजना के अन्तर्गत बढ़ी हुई पेंशन की दर एक दिसम्बर २०२१ से प्रभावी होगी। इस योजना की अन्य शर्तें पूर्व की तहत लागू रहेंगी। राज्य सरकार ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कुष्ठावस्था भरण–पोषण अनुदान (कुष्ठावस्था पेंशन) योजना के तहत पात्र दिव्यांगजन को दी जाने वाली मासिक अनुदान की राशि को बढ़ाकर ३००० रुपये प्रतिमाह किये जाने की स्वींति दे दी है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने इस सम्बंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। कुष्ठावस्था पेंशन योजना के तहत पूर्व में अनुदान राशि २५०० रुपये प्रतिमाह निर्धारित थी, जिसको बढ़ाकर ३००० रूपये प्रतिमाह किया गया है। बढ़ी हुई पेंशन की दर एक दिसम्बर २०२१ से प्रभावी होगी। इस योजना की अन्य शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

विभिन्न अभिकरणों के साथ बैठक २२ दिसम्बर को

लखनऊ। प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग दीपक कुमार की अध्यक्षता में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के विभिन्न अभिकरणों के साथ २२ दिसम्बर को पूर्वान्ह १०.३० बजे वर्चुअल

बैठक आयोजित की गयी है, जिसमें अमृत योजना के अन्तर्गत ५६ नगरों की तैयार की जा रही जी०आई०एस० बेस्ड महायोजनाओं के कार्य की समीक्षा की जायेगी। इसी के साथ ही महाधिवक्ता उ०प्र० की वेबसाइट पर लम्बित वाद/शपथपत्र के सम्बन्ध में, निर्माण एवं विकास कार्य, अनाधिंत कालोनियों का नियमितीकरण, उ०प्र० प्राधिकरण केन्द्रीयत एवं अकेन्द्रीयत सेवा के अन्तर्गत नगर नियोजन के संवर्ग के कैडर रिव्यू , कोविड नानकोविड व्याधियों से मृत कार्मिकों के आश्रितों को देयकों के भुगतान एवं उनके परिवारजनों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्तियां प्रदान किये जाने, शासकीय बजट से स्वींत परियोजनाओं, प्रदेश के समस्त श्रेणी के मार्गों के गढढा मुक्त करने हेतु नवीनीकरणध्रेस्टोरेशन हेतु बरेली, मेरठ, उन्नाव–शुक्लागंज तथा मुजफफरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत प्रगति न होने, गोरखपुर नगर के गोलघर में निर्माणाधीन मल्टीलेविल पार्किंग परियोजना के अन्तर्गत ध्वस्तीकरण किये गये भवन की धनराशि को बटटे–खाते में डाले जाने, प्राधिकरण द्वारा विगत प च वर्षों में विभिन्न कार्मिकों के विरूघ्द्ध अनुशासनात्मकध्ज च की कार्यवाही के सन्दर्भों का विवरण शासन को उपलब्ध कराये जाने, १३ महानगरों में सिटी डेवलेपमेण्ट तैयार किये जाने आदि कार्यों के प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

भाजपा पार्षद ने अपने ही मंत्री के खिलाफ खोला मोर्चा

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षद दिलीप श्रीवास्तव ने अपनी ही पार्टी के मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को पत्र लिखकर नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने मंत्री से अपनी जान को खतरा बताया है। दिलीप श्रीवास्तव मैशिलीशरण गुप्त वार्ड से भाजपा के पार्षद हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि मंत्री के कहने पर ही थाना गाजीपुर में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। उन पर मुकदमे के खिलाफ ६० से भी ज्यादा पार्षद धरने पर बैठे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि मंत्री उनका पार्षद का टिकट भी कटवाना चाहते हैं। मंत्री के कहने पर ही उन्हें बीजेपी का प्रदेश प्रवक्ता नहीं बनाया गया। पार्षद ने पत्र में मंत्री द्वारा उन्हें धमकी देने के साथ उत्पीड़न करने का जिक्र किया है।

नाबार्ड वित्त पोषित आरआईडीएफ योजना

लखनऊ। उ०प्र० के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में नाबार्ड वित्त पोषित आर०आई०डी०एफ० योजना के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुखध्अन्य जिला मार्गों के चौड़ीकरणध्सु ढ़ीकरण के ०८ चालू कार्यों हेतु रू० ३० करोड़ ५० लाख ७३ हजार की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उ०प्र० शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। इन ०८ चालू कार्यों में जनपद देवरिया में ०५ तथा खीरी, गोण्डा व कुशीनगर में ०१–०१ कार्य सम्मिलित हैं। जारी शासनादेश में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि नाबार्ड योजनान्तर्गत निर्माणाधीन कार्यों के गुणवत्तायुक्त निर्माण की प्रगति नियमित समीक्षा कर शासन को उपलब्ध करायी जाय तथा यह भी निर्देश दिये गये हैं कि आवंटित धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों एवं समय–समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जाय। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निर्देश दिये हैं कि इन कार्यों में वित्तीय नियमों का अक्षरसः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय एवं परियोजना को ससमय पूर्ण किया जाय तथा जारी शासनादेशों में उल्लिखित दिशा–निर्देशों का अनुपालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाय।

ओमेक्स हाइट्स के दो पक्षों में हुई झड़प

लखनऊ। विभूति खंड स्थित ओमेक्स हाइट्स अपार्टमेंट के रेजीडेंट वेलफेयर के दो पक्षों में सोमवार को सुनवाई के दौरान झड़प हो गयी। लखनऊ विकास प्राधिकरण में अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा के कक्ष में दोनों पक्षों में बहस हो गयी। मामला बढ़ा तो दोनों पक्षों ने असलहाधारी और बाउंसर बुला लिए। जिससे प्राधिकरण में हड़कंप मच गया। आनन फानन अपर सचिव ने सुरक्षा कर्मियों को बुलाकर उन्हें बाहर भिजवाया और समझा बुझाकर शांत कराया। ओमेक्स हाइट्स अपार्टमेंट आरडब्ल्यू में चुनाव को लेकर गुटबाजी चल रही है। मामले की सुनवाई प्राधिकरण में चल रही है। सोमवार को अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा सुनवाई कर रहे थे। उसी बीच दोनों पक्षों में बहसबाजी शुरू हो गयी। दोनों पक्षों की ओर से अधिवक्ता और निजी सुरक्षा गार्ड भी मौके पर पहुंच गए। अपर सचिव के कक्ष के बाहर भीड़ जमा हो गयी। असलहाधारी पहुंचने की जानकारी मिलते ही प्राधिकरण में हड़कंप मच गया। जिसके बाद अपर सचिव ने दोनों पक्षों और असलहाधारियों को शांत कराकर वापस भेजा।

जनपद हरिद्वार में भीमगौड़ा बैराज के विभिन्न कार्यों हेतु ६० लाख रूपये की धनराशि अवमुक्त

लखनऊ। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा जनपद हरिद्वार में भीमगौड़ा बैराज, हरिद्वार डैन लिंग हेड रेगुलेटर तथा पूर्वी गंगा नहर हेड रेगुलेटर के जल यांत्रिक संयंत्रों के जीर्णोद्धार/पुनरोद्धार की परियोजना हेतु प्राविधानित धनराशि ५००० लाख रुपये में से ६० लाख रूपये अवशेष कार्यों पर व्यय हेतु अवमुक्त करने की स्वींति प्रदान की गई है। इस संबंध में विशेष सचिव सिंचाई मुश्ताक अहमद की ओर से १७ दिसम्बर, २०२१ को शासनादेश जारी करते हुए कहा गया है कि परियोजना का निर्माण कार्य समय से पूरा कराने के साथ ही धनराशि व्यय करते समय शासन द्वारा समय–समय पर जारी सुसंगत शासनादेशों का अनुपालन अनिवार्य रूप से किया जाये। स्वींत धनराशि का उपयोग स्वीकृत परियोजनाओं पर ही किया जाये। ऐसा न किये जाने पर किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर समस्त उत्तरदायित्व सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का होगा। परियोजना में कराये जाने वाले कार्यों में गुणवत्ता एवं समय से कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। नियमानुसार आवश्यक वैधानिक अनापत्तियां एवं पर्यावरणीय क्लीयरेंस सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जाय।

मोहनलालगंज स्थिति धनुवासाड़ प्राथमिक विद्यालय के वार्षिकोतसव

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक और जूनियर के बच्चे भी किसी से कम नहीं है। राजधानी के मोहनलालगंज स्थिति धनुवासाड़ प्राथमिक विद्यालय के वार्षिकोतसव में इनकी प्रतिभा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मौके पर उपस्थित प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोशिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष विनय कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय और जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले बाल खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान बच्चों को पुरस्कार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र योगेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए २०० मीटर की दौड़ में द्वितीय स्थान एवं सांस्कृतिक प्रोग्राम में सर्वश्रेष्ठ रोशनी यादव ने द्वितीय स्थान जिसके उप जिला अधिकारी मोहनलालगंज के द्वारा ११०० रूपए की नगद राशि पुरस्कार के रूप में दी गयी। इसके अलावा बालक वर्ग खो–खो , योगा और अंताक्षरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया किया था। जनपद स्तर तक की खेलकूद प्रतियोगिता में व्यक्तिगत और टीम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र योगेश को विद्यालय के शिक्षक दिनेश सिंह के द्वारा ट्रैक सूट एवं सूज प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार आनंद विद्यालय तीन वर्षों से लगातार जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अपना वर्चस्व कायम किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब से विद्यालय अंग्रेजी माध्यम से संचालित हो रहा है नवीन अध्यापकों के द्वारा शिक्षण व्यवस्था में भी काफी सुधार किया गया है, जिसके परिणाम स्वरूप २०२० में विकास खंड स्तर पर हुई परीक्षा में विद्यालय से छह छात्र सम्मलित हुए और सभी ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत दलाई लामा से मिले

धर्मशाला । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को तिब्बतियों के अध्यात्मिक नेता दलाईलामा से उनके आवास पर मैक्लोडगंज में मुलाकात की। इस दौरान कोविड नियमों का पूरी तरह पालन किया

गया। जिला कांगड़ा के पांच दिवसीय दौरे पर आए भागवत ने अपने प्रवास के अंतिम दिन दलाईलामा से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। धर्मगुरु दलाईलामा के साथ हुई इस बैठक में भारत तिब्बत सहयोग मंच के मार्गदर्शक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक इन्द्रेश कुमार भी मौजूद रहे। हालांकि दलाई लामा और आरएसएस के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन बताया जा रहा है। कि बैठक में तिब्बत मामले को लेकर भी चर्चा हुई। मोहन भागवत ने तिब्बत के प्रति चीन के रुख को लेकर बातचीत की। वहीं दलाई लामा ने अफगानिस्तान, सीरिया और ईराक में हो रहे मानवीय मूल्यों के हनन पर विचार साझा किए। इस मुलाकात के बाद विमान से सरसंघचालक मोहन भागवत लौट गए। कांगड़ा के दौरे के दौरान मोहन भागवत कई बैठकों में शामिल हुए। उन्होंने चीन और पाकिस्तान पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशान साधा। देश की सुरक्षा का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि भारत अपने दुश्मनों को हल्के में न लें। वर्तमान में दलाईलामा की उम्र करीब ८६ वर्ष है। दलाईलामा ने जनवरी २०२० में कोरोना संक्रमण फैलने के चलते अपने निवास स्थान मैक्लोडगंज से बाहर निकलना बंद कर दिया था। जनवरी से वह अपने निवास से दुनिया भर में ऑनलाइन तरीके से कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं। धर्मगुरु सप्ताह में दो बार पब्लिक मीटिंग के जरिये समसामयिक मुद्दों पर चर्चा करते थे। अभी पब्लिक मीटिंग को नहीं खोला गया है। निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री पेंपा सेरिंग ने कुछ दिन पहले दलाई लामा से मुलाकात की थी। जिसके बाद उन्हें चार दिन आइसोलेशन में रहना पड़ा था। तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री पेंपा सेरिंग ने माना कि यह मुलाकात में दोनों नेताओं में सामान्य मुद्दों के अलावा मानवता के बड़े हित के बारे में बात की होगी।" इस बीच,मीडिया से बातचीत में मुलाकात के बारे में बोलते हुए श्री इंद्रेश कुमार ने कहा कि दलाई लामा ने उनसे कहा कि भारत धार्मिक सद्भाव का म डल है और भारत को इसे दुनिया को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने भी तिब्बत को भारत का समर्थन व्यक्त किया।

अवध विश्वविद्यालय के १०७ छात्रों को दिया गया स्वर्ण पदक

अयोध्या। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आज २६वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। सुबह १० बजे के वक्त राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अयोध्या हवाई पट्टी पहुंचीं, उसके बाद अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। लगभग ३ घंटे के करीब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रहीं। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने १०७ मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बाद छात्र छात्राओं के साथ फोटो खींचवाई और लड़कियों से संवाद भी किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्राथमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं को स्कूल बैग भी प्रदान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त छात्राओं ने बातचीत में कहा आज वह बहुत खुश हैं उनको राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है और वह आगे चलकर देश की सेवा करना चाहती हैं। वही अवध विश्वविद्यालय के कुलपति ने गोल्ड मेडल प्राप्त मेधावीयों के उज्जवल भविष्य की कामना की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आज अयोध्या के दो विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के

दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल नरेंद्र देव ृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल हुईं। हालांकि डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा शामिल नहीं हो पाए।

भाजपा सांसदों पर भड़कीं जया बच्चन ने दिया श्राप, बोलीं- आप लोगों के जल्द ही आएंगे बुरे दिन

नयी दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद जया बच्चन ने सोमवार को राज्यसभा में केंद्र की मोदी सरकार को श्राप दे दिया। दरअसल, राज्यसभा में नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्र पिक पदार्थ (संशोधन) विधेयक २०२१ पर चर्चा हो रही थी। इसी बीच चर्चा के लिए पीठासीन भुवनेश्वर कालिता ने सपा सांसद जया बच्चन को बुलाया गया और उन्होंने कहा कि– **We Want Justice** और हम उनसे (भाजपा) जस्टिस की उम्मीद नहीं करते हैं। लेकिन क्या हम आपसे जस्टिस की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप बीन किसके आगे बजा रहे हैं।

देखिए आपके बुरे दिन बहुत जल्द आने वाले हैं। इसी बीच सपा सांसद और भाजपा सांसद के बीच गहमागहमी हो गई और सपा सांसद ने पीठासीन अधिकारी से कार्यवाही की मांग की। जया बच्चन ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि आप लोगों के दिल में बाहर बैठे लोगों के लिए जरा भी सम्मान नहीं है। मैं श्राप देती हूं कि आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। गहमागहमी के माहौल के बीच सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। दरअसल, भाजपा सांसद राकेश सिन्हा ने सपा सांसद पर संसद की गरिमा को कम करने का आरोप लगाया। जिसके बाद जया बच्चन और भी ज्यादा गुस्सा गईं और उन्होंने भाजपा को श्राप दे दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना से आच्छादित दिव्यांगजन भी होंगे लाभान्वित

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के तहत संचालित दिव्यांग भरण–पोषण (दिव्यांग पेंशन) अनुदान योजना के अन्तर्गत पात्र दिव्यांगजन को दी जाने वाली मासिक अनुदान राशि १००० रूपये प्रतिमाह किये जाने की स्वींति प्रदान की है। इस सम्बंध में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। जारी आदेशानुसार इस योजना के अन्तर्गत दिव्यांग पेंशन का मासिक अनुदान राशि ५०० रूपये प्रतिमाह को बढ़ाकर १००० रूपये प्रतिमाह की गई है। पूर्व में यह अनुदान राशि ५०० रूपये थी। इसके साथ ही ऐसे दिव्यांगजन जो भारत सरकार द्वारा संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पेंशन योजना से आच्छादित हो रहे हैं, उनकी भी अनुदान राशि ५०० रूपये प्रतिमाह को बढ़ाकर १००० रूपये प्रतिमाह किये जाने की भी स्वींति प्रदान की गयी है। इस बढ़ी हुई धनराशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। दिव्यांग भरण–पोषण (दिव्यांग पेंशन) अनुदान योजना के अन्तर्गत बढ़ी हुई पेंशन की दर ०१ दिसम्बर, २०२१ से प्रभावी होगी। इस योजना की अन्य शर्तें पूर्व की भांति लागू रहेंगी।

रोजगार मेले मे कम्पनियो द्वारा 3429 अभ्यर्थियों का चयन

लखनऊ। कोविड–१६ गाइडलाइन का पालन करते हुए व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उ०प्र०, जिला सेवायोजन कार्यालय एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, लखनऊ के द्वारा विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं के लिए २७ कम्पनियों द्वारा जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन रंजन कुमार, मण्डलायुक्त, लखनऊ मण्डल, लखनऊ ने किया तथा अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रोजगार मेलों के आयोजन के विशेष निर्देश दिये गये है जिसके तहत मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में रोजगार मेले का आयोजन किया गया तथा मण्डलायुक्त महोदय ने संयुक्त निदेशक एस० सी० तिवारी, नोडल प्रधानाचार्य आर० एन० त्रिपाठी एवं प्लेसमेन्ट प्रभारी एम० ए० खान की सुव्यवस्थित रोजगार मेला आयोजित करने के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की। मानपाल सिंह, अपर निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय उ०प्र०, शिव राम ृष्णा प्रधानाचार्य, ओ० पी० सिंह प्रधानाचार्य, एस० पी० सिंह प्रधानाचार्य एवं सतनाम सिंह प्रधानाचार्य ने सफलतापूर्वक रोजगार मेला आयोजन के लिए संयुक्त निदेशक, नोडल प्रधानाचार्य एवं प्लेसमेन्ट प्रभारी को धन्यवाद दिया। एस० सी० तिवारी संयुक्त निदेशक, प्रशि०धशिक्षु, लखनऊ मण्डल, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानाचार्य आर० एन० त्रिपाठी एवं प्लेसमेन्ट प्रभारी एम० ए० खाँ द्वारा रोजगार मेले में बेहतर कार्य किया जा रहा है तथा ये भी कहा की जो बच्चे इस रोजगार में चयन से वंचित रह जा रहे हो वो निराश ना हो। आर० एन० त्रिपाठी, प्रधानाचार्य ने मण्डलायुक्त महोदय का इस परिसर में आगमन पर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अपने उद्बोधन में विशेष रूप से आई०ए०एस० हरिकेश चौरसिया के सानिध्य में मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना को सफल बनाने के लिए निदेशक का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा ये भी कहा कि हरिकेश चौरसिया जैसे अधिकारी के अधीनस्थ कार्य करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। एम० ए० खाँ प्लेसमेन्ट प्रभारी जनपद लखनऊ ने बताया कि कुल ३४५८ आवेदन गूगल फार्म के माध्यम से प्लेसमेन्ट अनुभाग को प्राप्त हुये थे तथा २३५० अ फलाइन बिना आवेदन किये प्रतिभाग किये। इस प्रकार कुल ५८०८ अभ्यर्थियों ने प्लेसमेन्ट में भाग लिया जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से कम्पनी द्वारा ३४२६ अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए मेहनत व लगन से कार्य करने की प्रेरणा किया तथा मेले में सहयोग करने वाले जनपद के समस्त कर्मचारियों का धन्यवाद दिया।

योगी आदित्यनाथ का विपक्ष पर हमला, बोले– पिछली सरकार की सोच एक परिवार तक सीमित थी

जौनपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकार की सोच संकुचित थी, छोटी थी, इसलिए एक परिवार तक सीमित थी। जौनपुर जिले के मछलीशहर स्थित फौजदार इंटर क लेज में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ करीब १५०० करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, छोटी सोच के लोग बड़ा काम नहीं कर सकते हैं। पिछली सरकार की सोच संकुचित थी, छोटी थी, इसलिए एक परिवार तक सीमित थी। मुख्यमंत्री ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए भारत की १३५ करोड़ आबादी ही परिवार है, इसलिए भारत सरकार के स्तर पर अवसंरचना, विकास की बड़ी–बडी परियोजनाएं आज लागू की जा रही हैं और उसका परिणाम है कि भारत का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '' विकास संकुचित सोच से नहीं होता है, विकास के लिए विराट सोच चाहिए, जो लोग क्षेत्र के नाम पर जाति के नाम पर, के नाम पर, परिवार के नाम पर, वंश के नाम पर राजनीति करते थे वह बड़ी सोच नहीं दे सकते थे। योगी ने कहा, जिन लोगों ने भारत को परिवार माना है और पूरे देश के विकास की एक विराट सोच को लेकर कार्य शुरू किया है आज

उसका परिणाम है कि विकास के कार्य युद्ध स्तर पर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद नितिन गडकरी की भी प्रशंसा की। योगी ने कहा कि भगवान राम त्रेता युग में हुए थे। लेकिन राम जानकी मार्ग की ओर किसी का ध्यान नहीं गया,उस मार्ग का विकास गडकरी जी ने किया। वहां युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। उन्होंने २०२२ में फिर बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा, '' हम समस्या के समाधान का संकल्प लेकर आए हैं, जो समस्या का समाधान करे वही सरकार है और जो समस्या पैदा करे, वही वंशवाद और परिवारवाद वाले राजनेता हैं। उन्होंने कहा, परिवारवाद और वंशवाद के आधार पर जिन लोगों ने नौजवानों, किसानों, बेरोजगारों और गरीबों को बदहाल किया और जाति के नाम पर आपस में लड़ाने और पेशेवर माफिया को संरक्षण देकर व्यापारियों को डराने और जमीनों पर कब्जा करने का कार्य किया वे लोग विकास नहीं करा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि पांच वर्ष में पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की चर्चा करते हुए दावा किया कि २०२३ में रामलला भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। मुख्यमंत्री ने सवाल करते हुए कहा, ''क्या पिछली सरकारों में कभी श्रमिकों का सम्मान होते हुए देखा था? पहले श्रमिकों के मानदेय और पारिश्रमिक पर ही डकैती डाल दी जाती थी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों को सम्मान देने का काम किया और काशी विश्वनाथ धाम इसका उदाहरण है।

'ओमीक्रोन' को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क, निपटने के लिए हर स्तर पर तैयारी जारी : मांडविया

८० फीसदी मामलों में कोई लक्षण सामने नहीं आए। ४४ मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। '' उन्होंने बताया कि ६६ देशों में ओमीक्रोन फैल चुका है और इसके प्रभावों पर सतत नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार वायरस के इस स्वरूप को लेकर पूरी तरह सतर्क है तथा आने वाले समय में इसे लेकर जरूरत के अनुसार परामर्श जारी किए जाएंगे जिनके आधार पर ही अवलोकन किया जाना चाहिए ताकि लोगों में किसी तरह का भ्रम न फैले। मांडविया ने कहा ''कोविड महामारी की पहली और दूसरी लहर में मिले अनुभवों को भी ध्यान में रखते हुए कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।'' उन्होंने कहा ''विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है और वैज्ञानिक समुदाय भी इस बात से सहमत है कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के लिए भी दवाएं और प्रोटोकॉल वही होंगे जो इस घातक वायरस के डेल्टा, गामा सहित अन्य स्वरूपों के लिए रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अब तक ओमीक्रोन के जो १६१ मामले सामने आए हैं वे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात आदि अलग अलग राज्यों के हैं। उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन के मामलों का जल्दी पता लगाने के लिए और 'जीनोम सीक्वेंसिंग' के लिए ३८ प्रयोगशालाएं काम कर रही हैं।हमारी उपलब्धि प्रति माह ३०,००० 'जीनोम सीक्वेंसिंग' की है जिसे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। मंत्री ने कहा कि कोविड महामारी के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार टीकाकरण है और हमारे देश की ८८ फीसदी आबादी को कोविड रोधी टीके की पहली खुराक तथा ५८ फीसदी आबादी को दूसरी खुराक लग चुकी है। मांडविया जब चर्चा का जवाब दे रहे थे उस समय विपक्षी सदस्य १२ निलंबित सदस्यों का निलंबन समाप्त करने और लखीमपुर खीरी मामले को लेकर गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' को हटाने की मांग करते हुए सदन में हंगामा कर रहे थे। हंगामे के बीच मांडविया ने कहा ''देश की १३० करोड़ आबादी का टीकाकरण आसान नहीं था। लेकिन भारत ने अभियान चलाया और उसे सफलता मिली। ब्रिटेन में ७६ फीसदी लोगों को, अमेरिका में ७२ फीसदी लोगों को, जर्मनी में ७३ फीसदी और इटली में ७६ फीसदी लोगों को पहली खुराक मिली। ये सभी विकसित देश हैं जहां स्वास्थ्य अवसंरचना बहुत मजबूत है। लेकिन इसके सापेक्ष देखें तो विविधता और विषमता के बावजूद हमारे देश में ८८ फीसदी लोगों को टीके की पहली खुराक और ५८ फीसदी आबादी को दूसरी खुराक मिल चुकी है। देश की बड़ी आबादी का टीकाकरण हो चुका है और लोगों को कोविड से बड़ी सुरक्षा हासिल हुई है।'' इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना की। मंत्री ने कहा कि देश में हर राज्य के पास पर्याप्त मात्रा में टीका उपलब्ध है। राज्यों के पास १७ करोड़ खुराक है। उन्होंने कहा कि भारत में हर माह टीकों की ३१ करोड़ खुराक का उत्पादन हो रहा है जो जल्द ही बढ़ जाएगा और अगले दो माह में यह ४५ करोड़ खुराक प्रति माह हो जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी दो कंपनियां देश में टीका तैयार कर रही हैं लेकिन दो और कंपनियों के आंकड़े हमें मिल गए हैं और उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही अनुमति मिल जाएगी।उन्होंने कहा, ''एक समय था जब टीके पर अनुसंधान करने के बाद उसे स्वीकृति मिलने में कुछ साल तो लग ही जाते थे। लेकिन हमने नियमों को सरल बनाया और मात्र नौ माह के भीतर, शोध के बाद देश को टीका मिल गया। अनुसंधान से लेकर उत्पादन तक, सब देश में ही हुआ।'' मंत्री ने बताया ''आज टीके की १३७ करोड़ खुराक लोगों को लग चुकी है। यह भी एक बड़ी उपलब्धि है कि एक दिन में लोगों को टीके की ढाई करोड़ खुराक लगी। कभी देश के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश

शर्मा ने अंतरिक्ष से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पूछने पर कहा था 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा।' आज एक बार फिर देश में कुछ अच्छा हुआ है जिसकी सराहना की जानी चाहिए। कई देशों की तो आबादी भी ढाई करोड़ नहीं है। हमारे यहां तो ढाई करोड़ लोगों को एक ही दिन में टीका लगा।'' उन्होंने कहा ''प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लोग टीका लगवाने के लिए खुद आगे आए। आलोचना ठीक है, लेकिन राष्ट्र गौरव की बात हो तो सबको एकजुट होना चाहिए।'' मांडविया ने कहा कि देश में ओमीक्रोन के कारण उत्पन्न वर्तमान स्थिति को देखते हुए परेशान या चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा ''इससे निपटने के लिए सरकार ने तैयारी कर रखी है और तैयारियां जारी भी हैं, पहले का भी अनुभव है। राज्यों को २२ हजार करोड़ रुपये का कोविड–२ पैकेज दिया गया है। इसके माध्यम से राज्य अस्पतालों में समुचित व्यवस्था करेंगे। इसमें बच्चों के लिए यूनिट बनाने से लेकर अ क्सीजन, बेड की व्यवस्था आदि शामिल है और फिर एक करोड़ रुपये बफर मनी के रूप में रखे जाएंगे।'' उन्होंने बताया ''ओमीक्रोन कोरोना वायरस का एक नया स्वरूप है। इसका मामला २४ नवंबर को पहली बार अफ्रीका में पाया गया और फिर यह बोत्सवाना सहित दूसरे देशों में भी फैला। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'चिंता' करार दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ–साथ भारत भी इसके विभिन्न पहलुओं पर नजर बनाए हुए है और सरकार पूरी तरह सतर्क है।'' मंत्री ने बताया कि सरकार पूरी सतर्कता बरत रही है और जिस देश में इसके मामले हैं, उसे जोखिम वाला देश मान कर, वहां से आने वाले लोगों की हवाई अड्डे पर आरटी–पीसीआर जांच, घर में सात दिन पृथक–वास, फिर पुनरू जांच आदि विशेष मानक प्रक्रिया (एसओपी) तय की गए हैं। उन्होंने बताया ''विशेषज्ञ दलों के साथ नियमित चर्चा कर इसके पहलुओं के बारे में आकलन किया जा रहा है जिसमें टीकाकरण करवा चुके लोगों पर और जिन्हें टीका नहीं लगा है, उन पर इसका असर, इसका इलाज आदि शामिल है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी राज्यों के पास पर्याप्त दवा उपलब्ध हो। इसके लिए कोविड पैकेज दो में प्रावधान किया गया है। दवाओं का बफर स्टॉक रखा गया है। ऑक्सीजन संयंत्रों की क्षमता बढ़ाई जा चुकी है। आज ४८,००० वेंटीलेटर राज्यों के पास भेजे गए हैं। वेंटीलेटर की खराबी की शिकायतें पहले मिली हैं जिन्हें देखते हुए तय किया गया कि जिस राज्य को भी वेंटीलेटर दिए गए, वह लिखित में उसके बारे में हमें प्रमाणपत्र दे। आज ४८,००० वेंटीलेटर के बारे में राज्यों से सकारात्मक रिपोर्ट हमें मिल चुकी है।'' उन्होंने बताया ''हम राज्यों को वेंटीलेटर देते हैं। राज्य अस्पतालों को वेंटीलेटर मुहैया कराते हैं।'' कोविड से निपटने में विपक्ष द्वारा सरकार की आलोचना किए जाने का अप्रत्यक्ष संदर्भ देते हुए मांडविया ने कहा ''यह विषय राजनीतिक का बिल्कुल नहीं है। प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि इस महामारी से एकजुट हो कर लड़ना है। दूसरी लहर में ऑक्सीजन की मांग तेजी से बढ़ी। हमने अ क्सीजन का उत्पादन बढ़ाया। औसतन १००० से १५०० टन की मांग अचानक बढ़ी और ६००० टन की मांग पूरी करने की व्यवस्था की गई। विमान, ट्रेन, जहाजों से भी अ क्सीजन की आपूर्ति की गई। विदेश से भी जरूरत के अनुसार अ क्सीजन मंगवाई गई। तब भी राजनीति हुई और समर्थन करने के बजाय लोग अदालतों में गए तथा कोटा मंजूर करवाया गया। ऑक्सीजन के टैंकर मंगवा लिए गए लेकिन रखने की व्यवस्था नहीं की गई....। यह राजनीति नहीं तो और क्या था।'' मंत्री ने कहा ''अगर हम महामारी के खिलाफ एकजुट होते तो सफलता का दायरा अधिक व्यापक होता। दुनिया में जब कोविड संकट प्रबंधन की बात होगी तो हिंदुस्तान की ही सराहना होगी। तब कोई भारतीय जनता पार्टी की सरकार को नहीं बल्कि भारत को ही देखेगा। यह राष्ट्र गौरव की बात है।'' मांडविया ने बताया ''टीके का प्रभाव देखने के लिए 'कल्चर डेवलप' करना होता है और ओमीक्रोन स्वरूप का 'कल्चर डेवलप' कर उस पर टीके का प्रभाव देखा जा रहा है। एक सप्ताह में इसकी रिपोर्ट आ जाएगी।'' उन्होंने कहा कि कोविड को लेकर सरकार की ओर से दी जाने वाली अद्यतन सूचना पर ही ध्यान देना चाहिए और किसी तरह का भ्रम नहीं फैलने देना चाहिए।

जम्मू–कश्मीर में बिजली आपूर्ति बहाली के लिए सेना ने संभाला मोर्चा, तीन दिनों से हड़ताल पर हैं कर्मचारी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में बिजली विकास विभाग के कर्मचारी लगातार तीसरे दिन हड़ताल पर रहे। जिसकी वजह से कई इलाकों में पूरी तरह से ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि किसी भी कारण से विकास नहीं रूकेगा। जो कर्मचारी हड़ताल पर हैं, सरकार को उनकी समस्याओं का हल निकालना चाहिए और मुझे यकीन है कि सरकार ऐसा करेगी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, हड़ताल पर बैठे अनिल सिंह ने बताया कि सरकार के साथ हमारी २–३ बार बात हो चुकी है परन्तु

किसी कारण वे सफल नहीं हो पाई। आज भी बात चल रही है। हमें प्राइवेट दायरे की तरफ ले जाया जा रहा है। हमारी दूसरी मांग सैलरी से संबंधित है। अनिल सिंह ने बताया, ष्सरकार के साथ हमारी २–३ बार बात हो चुकी है परन्तु किसी कारण वे सफल नहीं हो पाई। आज भी बात चल रही है। हमें प्राइवेट दायरे की तरफ ले जाया जा रहा है। हमारी दूसरी मांग सैलरी से संबंधित है।ष प्राप्त जानकारी के मुताबिक जम्मू के कई इलाकों में भीषण ठंड के बीच में पूरी तरह से बिजली ठप्प है। ऐसे में बिजली आपूर्ति को बहाल करने के लिए सेना की मदद ली गई है। इतना ही नहीं राजौरी के थुडी सब स्टेशन पर सेना और एमईएस के कर्मियों ने एकजुट होकर काम करना भी शुरू कर दिया है। जिसकी कई सारी तस्वीरें भी सामने आई हैं। दरअसल, जम्मू–कश्मीर पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट का पावर ग्रिड क रपोरेशन अ फ इंडिया में विलय को लेकर और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को संपत्ति सौंपने के सरकार के कदम का बिजली कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय की स्थापना की मंजूरी दी

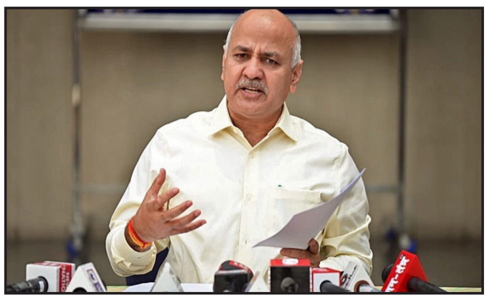

नयी दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमंडल ने दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय की स्थापना करने को सोमवार को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस संबंध में घोषणा की। विश्वविद्यालय १२ वीं कक्षा के बाद चार साल का एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम कराया जाएगा, जिसमें बीए और बीएड, बीएससी और बीएड, और बीकॉम और बीएड पाठ्यक्रम शामिल किए जाएंगे। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में बताया, "कैबिनेट ने आज प्रस्ताव को स्वीकृति दी और इस संबंध में विधेयक दिल्ली विधानसभा के अगले सत्र में लाया जाएगा।" पाठ्यक्रम पूरा करते वक्त, जो विश्वविद्यालय में नामांकित होंगे, उन्हें प्रशिक्षण कार्यों के लिए दिल्ली सरकार के स्कूलों से जोड़ा जाएगा।

कांग्रेस में टिकट के आवेदनों की प्रियंका ने शुरू की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों से अब तक मिले आवेदनों की पार्टी नेतृत्व ने समीक्षा शुरू कर दी है। कांग्रेस की महासचिव और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिये पार्टी की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में समीक्षा बैठक बुलायी है। सूत्रों के अनुसार वाड्रा की अध्यक्षता में हो रही समीक्षा बैठक में विधानसभा की ४०३ सीटों के लिये मिले आवेदनों पर क्षेत्रवार विचार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में चुनाव के लिये कांग्रेस का महिला घोषणापत्र जारी करते समय वाड्रा ने कहा था कि प्रदेश की लगभग १०० सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिये गये हैं। इनमें ६० महिला उम्मीदवार शामिल हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि आगामी चुनाव में कांग्रेस की ओर से ४० फीसदी सीटों पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाने की वाड्रा की घोषणा के बाद महिलाओं ने भारी संख्या में टिकट के लिये आवेदन किया है। साथ ही पार्टी नेतृत्व ने भी आवेदनों की समीक्षा में महिलाओं को वरीयता देने की बात कही है। गौरतलब है कि कांग्रेस आगामी चुनाव में किसी दल से गठबंधन नहीं होने के कारण

अपने बलबूते चुनाव लड़ने की पहले ही घोषणा कर चुकी है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्र न के खतरे को देखते हुए यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केन्द्रों की संख्या पिछली परीक्षा की अपेक्षा २० प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी। बोर्ड की ओर से जारी दिशा निर्देशों के मुताबिक केन्द्र बनने के लिए आवेदन कर चुके सभी स्कूल प्रबंधकों की ओर से दर्ज की गयी पोर्टल की सूचना के आधार पर भौतिक सत्यापन प्रक्रिया अतिशीघ्र पूरा करने के निर्देश सचिव परिषद माध्यमिक दिब्यकांत शुक्ला ने दिए है।

अद्भुत मंदिर : सोने का मंदिर

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत में ऐसे कई अद्भुत मंदिर हैं, जो किसी न किसी वजह से विशेष माने जाते हैं. इनकी अपनी किसी विशेषता के कारण ही ख्याति है. ऐसा ही एक मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से सात किलोमीटर दूर यह मंदिर भक्तों से भरा रहता है. मंदिर की रचना वृताकार है और बहूत ही भव्य है. यह १०० एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है और इसके चारों तरफ से हरियाली ही हरियाली है. १५ हजार किलोग्राम शुद्ध सोने से के लिए इसके बाहरी क्षेत्र को सितारे का आकार दिया गया है. इस मंदिर को ४०० सुनारों और कारीगरों ने सात साल की मेहनत से तैयार किया है. इसके निर्माण में करीब ३०० करोड़ रुपये की लागत आई थी. कहते हैं कि इस मंदिर में हर एक कलोंति हाथों से बनाई गई है. इस मंदिर को भक्तों के लिए २००७ में खोला गया था. रात के समय यहां भक्तों की संख्या ज्यादा रहती है, क्योंकि इस वक्त सोने से बने पूरे मंदिर को रोशनी से जगमगा जाता है, जो एक २४ घंटे पुलिस के जवान और गार्ड तैनात रहते हैं. मंदिर में जाने के लिए बहुत पाबंदियों और नियमों का पालन करना पड़ता है जैसे आप लुंगी, शॉर्ट्स, नाइटी, मिडी, बरमूडा पहनकर इस मंदिर में नहीं जा सकते. दक्षिण भारत

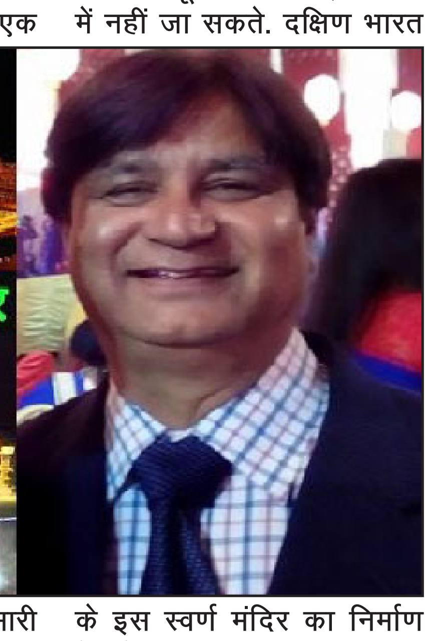

थिरूमलाई कोडी में है, जिसे श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर के नाम से जाना जाता है. इसे दक्षिण भारत का श्स्वर्ण मंदिरश या ‘गोल्डन टेंपलश कहा जाता हैं. जिस तरह अमृतसर का स्वर्ण मंदिर पूरे भारत के साथ–साथ विश्व प्रसिद्ध भी है, ठीक उसी तरह यह मंदिर भी है. यह मंदिर रेलवे स्टेशन काटपाडी से बस ७ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. साल–भर बना यह मंदिर रात के वक्त रोशनी में और भी खूबसूरत और अदभुत दिखता है.मंदिर परिसर के बाहर की तरफ एक सरोवर बनाया गया है जिसमें भारत की सभी मुख्य नदियों का पानी लाया गया है. इस मंदिर को सुबह ४ से ८ बजे तक अभिषेक के लिए और सुबह ८ से रात के ८ बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोला जाता है. इस मंदिर को और खूबसूरत बनाने मंदिर के निर्माण में जितना सोना लगा है, उतना दुनिया के किसी मंदिर में नहीं लगा है. मंदिर की दीवारों पर देवी–देवताओं पर सोने के फ इल की १२ परतें चढ़ी हुई हैं. ऐसा कहा जाता है कि यह विश्व का एकलौता ऐसा मंदिर है जिसमें इतने सोने का प्रयोग हुआ है. अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में भी सिर्फ ७५० किलो की सोने की छतरी लगी हुई है. इस महालक्ष्मी अदभुत नजारा होता है. यह सारी रात चमकता रहता है, लेकिन खासकर रात के समय जब मंदिर में प्रकाश किया जाता है तो इसमें लगे सोने की चमक देखते ही बनती है. मंदिर परिसर में करीब २७ फीट ऊंची एक दीपमाला भी है, जिसे जलाने पर सोने से बना यह मंदिर एकदम जगमगा उठता है. मंदिर के निर्माण में लगे सोने की वजह से ही इसकी सुरक्षा में के इस स्वर्ण मंदिर का निर्माण वेल्लोर स्थित धर्मार्थ ट्रस्ट श्री नारायणी पीडम द्वारा कराया गया है, जिसके प्रमुख आध्यात्मिक नेता श्री सक्ति अम्मा को ‘नारायणी अम्मा’ के नाम से भी जाना जाता है. मंदिर के पास ही श्री नारायणी अस्पताल और अनुसंधान केंद्र भी है, जिसे ‘श्री नारायणी पीडम८ चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ही चलाया जाता है।

मैनपुरी से एटा तक निकालेंगे अखिलेश समाजवादी विजय यात्रा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की समाजवादी विजय यात्रा मंगलवार २१ दिसंबर को मैनपुरी से एटा तक निकलेगी। उनकी विजय यात्रा का यह आठवां चरण है। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के बाद अखिलेश यादव अब अपने गढ़ में इस यात्रा के जरिए हुंकार भरेंगे। इस दौरान कई स्थानों पर अखिलेश जनसभा को संबोधित कर सपा के पक्ष में माहौल बनाएंगे।वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इन दिनों प्रदेश में समाजवादी विजय यात्रा निकाल रहे हैं। इसकी शुरुआत १२ अक्टूबर को कानपुर से हुई थी। यह यात्रा कानपुर से हमीरपुर गई थी। इस यात्रा के जरिए अखिलेश कानपुर नगर, कानपुर देहात, जालौन व हमीरपुर जिले को गए थे। एक से तीन दिसंबर को उनकी रथ यात्रा बुंदेलखंड में बांदा से महोबा, ललितपुर व झांसी में निकल चुकी है।सपा चीफ अखिलेश यादव का विजय रथ पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के जरिए गाजीपुर से लखनऊ तक आ चुका है। इसके बाद छठे चरण की यात्रा जौनपुर व सातवें चरण की यात्रा रायबरेली में निकली थी। अब अखिलेश आठवें चरण की यात्रा मैनपुरी से एटा तक निकालेंगे। इसके बाद अखिलेश २८ दिसंबर को नौवें चरण की विजय यात्रा उन्नाव में निकालेंगे।सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि भाजपा का तथाकथित रथ जुगाड़ का हैं जबकि समाजवादी रथ से जनआकांक्षाएं जुड़ी हुई हैं। सोमवार को जारी बयान में अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की विजय रथ यात्रा के पहिए रुकने वाले नहीं हैं। सपा की रैलियों में अपने आप हजारों का जनसैलाब उमड़ रहा है। हार के डर से बौखलाई भाजपा अब सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने पर तुली है, लेकिन इससे भाजपा के खिलाफ जनआक्रोश ज्यादा बढ़ा है। भाजपा सरकार में नागरिकों के अधिकार तक सुरक्षित नहीं हैं। लोकतंत्र को खतरा है। उसने न केवल नदियों को बल्कि राजनीति को भी प्रदूषित कर दिया है। अब माहौल भाजपा के खिलाफ है। आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश का ही नहीं केंद्र सरकार का भी भविष्य तय होगा।

पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर सड़क दुर्घटना मामले में बरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव कांड मामले में दुष्कर्म पीड़िता और उसके स्वजन के साथ वर्ष २०१६ में हुई सड़क दुर्घटना में भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर समेत छह लोगों को सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। जबकि, कोर्ट ने ट्रक चालक समेत चार आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किया है। २८ जुलाई २०१६ को रायबरेली में जेल में बंद चाचा से मिलने जा रही दुष्कर्म पीड़िता की कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस कार में सवार पीडिघ्ता की चाची, मौसी समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी।घटना के बाद पीड़िता के चाचा ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर सहित १० लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। घटना की जांच कर रही सीबीआइ ने इसे महज एक हादसा बताया था। उसकी जांच में सामने आया था कि हादसे को अंजाम देने के लिए कोई साजिश नहीं रची गई थी।इस मामले में सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी रविंद्र कुमार पांडेय के कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर, कोमल सिंह, अरुण सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, रिंकू सिंह उर्फ प्रखर सिंह और अवधेश सिंह को बरी करते हुए कहा कि इनके खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। लेकिन कोर्ट ने आरोपित ट्रक चालक आशीष कुमार पाल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ३०४ए (लापरवाही से वाहन चलाने के कारण किसी व्यक्ति की मौत), धारा ३३८

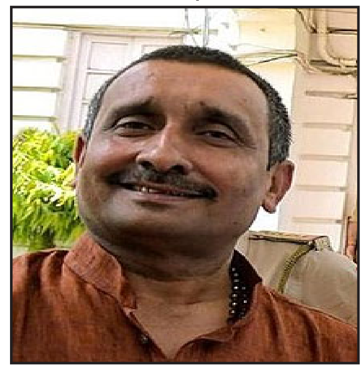

(उतावलेपन में किसी व्यक्ति की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने) का आरोप तय किया है। वहीं आरोपित विनोद मिश्रा, हरिपाल सिंह और नवीन सिंह के खिलाफ धमकी देने का आरोप तय किया है।बता दें, २०१७ में नाबालिग से दुष्कर्म के एक अलग मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। वह जेल में सजा काट रहे हैं।

समाजवादी नेताओं के आवास तथा प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी पार्टी के नेताओं तथा कारोबारियों के आवास तथा प्रतिष्ठानों पर शनिवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मैनपुरी, लखनऊ तथा मऊ में इन नेताओं तथा कारोबारियों के ठिकानों पर कई टीमें शनिवार तड़के से छानबीन में लगी हैं। अखिलेश यादव की पार्टी के सहयोगी मनोज यादव तथा जैनेन्द्र यादव के साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव राय के ठिकानों पर सर्वे चल रहा है। आगरा में मनोज यादव के साथ ही मैनपुरी व लखनऊ में जैनेन्द्र यादव के आवास तथा प्रतिष्ठान पर कई टीमें लगी हैं। इनके साथ ही राजीव राय के मऊ तथा लखनऊ के आवास पर कार्यालय पर भी छानबीन की जा रही है। आयकर विभाग की कई टीमों ने शनिवार तड़के लखनऊ, मैनपुरी, आगरा तथा आगरा में एक साथ कार्रवाई की। आगरा में मनोज यादव तथा मैनपुरी व लखनऊ में जैनेन्द्र यादव के ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। इनको समाजवादी पार्टी का फाइनेंसर भी बताया जा रहा है। लखनऊ में आम्बेडकर पार्क के पास जैनेन्द्र यादव के आवास पर पड़ताल की जा रही है। राजीव राय ने कहा किआयकर विभाग के लोग आए हैं। मेरा कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। मेरा पास कोई अवैध पैसा नहीं है। लोगों की मदद करना भाजपा को पसंद नहीं।आरसीएल ग्रुप के मालिक मनोज यादव घर १२ वाहनों के काफिला में टीम पहुंची है। आवास को आयकर विभाग के अधिकारी तथा सुरक्षाबलों ने घेरा हैं। बीते चार

घंटे से पड़ताल जारी है। शहर कोतवाली के मोहल्ला बंसी गोहरा में मनोज यादव के आवास पर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है। लखनऊ में जहां जैनेंद्र यादव के आवास पर टीमें पहुंचीं तो वहीं मैनपुरी में मनोज यादव के निवास पर आयकर विभाग की गाड़ियां पहुंचीं। आयकर टीमों को देख पूरे मैनपुरी में सुगबुगाहट शुरू हो गई है। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स ने भी मनोज यादव के घर के बाहर डेरा जमा रखा है। फिलहाल सर्वे चल रहा है। अभी कोई भी अधिकारी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। मैनपुरी में पंजाबी बाग कॉलोनी में मनोज यादव के बंगलेनुमा आवास पर आयकर टीमें पहुंचीं। बताया जा रहा है कि टीमें १० से १२ गाडिघ्यों में यहां आई है। घर का कोना–कोना जांचा जा रहा है। आवास पर मौजूद फाइलें और कंप्यूटर भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने घर के बाहर घेरा बना रखा है। अभी अंदर जाने की किसी को अनुमति नहीं दी जा रही है। माना जा रहा है कि दोपहर बाद तक सर्वे चलेगा, इसके बाद जानकारी मिल सकेगी कि सर्वे में टीमों को क्ध्या हासिल हुआ है। वाराणसी की इनकम टैक्स की टीम सुबह से ही छापेमारी कर रही है। राजीव राय को नजरबंद कर टीम पूरी।कार्यवाही कर रही है। घर के बाहर भारी संख्या में फोर्स व पीएसी तैनात है। आयकर की टीम राजीव राय के वित्तीय लेनदेन की जांच पड़ताल कर रही है। डिजिटल लेनदेने, बैंकिंग दस्ध्तावेज, गहने, शेयर में निवेश के विविध पक्षों को जांच रही है।मऊ में टीम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और प्रवक्ता राजीव राय के आवास पर छापेमारी की। आयकर अधिकारी शनिवार की तड़के शहर में पहुंचे और सुबह करीब सात बजे सहदतपुरा इलाके में उनके घर की तलाशी शुरू की। इस दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने और आसपास के इलाकों को नियंत्रण में रखने के लिए स्थानीय पुलिस को उनके आवास के बाहर तैनात किया गया है। सपा नेता को परिसर के भीतर रहने का निर्देश दिया गया है। राय परिवार के सदस्यों के साथ घर में हैं। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्रीय सचिव के आवास के बाहर एकत्र हुए थे और आयकर छापों पर आपत्ति जताई थी।

कबाड़ गोदाम में भीषण आग

लखनऊ। खदरा शिवनगर में बेसमेंट में चल रहे कबाड़ गोदाम में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। गोदाम चारों ओर से बंद था। आस पास पूरा धुआं फैल गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर फायर फाइटिंग शुरू की तो पानी फेंकते ही करंट उतर

आया। घटना से अफरा–तफरी मच गई। आनन फानन सब स्टेशन फोनकर बिजली कटवाई गई और इंवर्टर का कनेक्शन काटा गया। दमकल कर्मियों ने करीब तीन की कड़ी मशक्कत के बाद चार गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया।खदरा शिवनगर में बेसमेंट में स्थित कबाड़ गोदाम से शुक्रवार तड़के आग की लपटें और धुआं निकलते देख लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। गोदाम चारों ओर से बंद था। इस लिए खिड़कियों से पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया तो सफलता नहीं मिली। आग बेकाबू होते देख दमकल को सूचना दी। फायर स्टेशन अफसर (एफएसओ) चौक आरके यादव दो गाड़ियां लेकर कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। पानी फेंकना शुरू किया तो गोदाम की शटर, दरवाजे और खिड़कियों में करंट उतर आया। आनन फानन लोगों को मौके से दूर हटाया गया। बिजली विभाग को फोन कर सप्लाई बंद कराई गई।इसके बाद कटर से दीवार काटी गई। किसी बाहर से जा रहे इंवर्टर के तार का भी कनेक्शन काटा गया। दीवार कटते ही गोदाम से आग का भभका और भीषण धुआं निकला। दमकल कर्मियों ने पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग सामान्य न होते देख इंदिरानगर और आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल की एक–एक गाड़ी मंगवाई गई। दमकल कर्मियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। एफएसओ ने बताया कि बिना फायर एनओसी के बेसमेंट में अवैध रूप से चल रहा था। नोटिस देकर गोदाम मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गोदाम बरकत अली का है।दमकल कर्मी जब पहुंचे तो पानी डालते ही खिड़कियों, शटर और दरवाजे पर करंट आ गया। आस पास लोगों का जमावड़ा था। आनन फानन लोगों को मौके से हटाया गया। इसके बाद बिजली की सप्लाई बंद कराकर फायर फाइटिंग शुरू की गई। भीषण धुएं से लोग हलकान रहे। उन्हें सांस लेने में दिक्कतें शुरू हो गई।

अखिलेश यादव एंड कंपनी के लिए घोटाले और छापे कोई नई बात नहीं : केशव प्रसाद

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर बड़ा तंज किया है। उन्होंने कहा कि 'बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से होय'। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव एंड कंपनी के लिए ईडी, सीबीआई, घोटाले और छापे, कोई नई बात नहीं है। कैग की रिपोर्ट में भी सपा सरकार के दौरान कई बार अरबों रुपयों की घोटालों की पुष्टि हुई है। आय से अधिक संपत्ति सहित कई मामलों की जांच पहले से हो रही थी, लेकिन अब यह इसे चुनाव से जोड़कर जनता की सहानुभूति चाहते हैं। यह बातें उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा कि सपा का इतिहास बताता है कि कैसे इन लोगों ने भ्रष्टाचार कर खरबों की अवैध संपत्ति खड़ी की है और जब इसकी जांच होती है, तो कार्यवाही का बहाना बनाकर फर्जी सहानुभूति लेना चाह रहे हैं और अपने कुकर्मों पर परदा डालने के लिए छापों को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का पूरा कार्यकाल साबित करता है कि वह प्रदेश के लिए क्यों अनुपयोगी हैं। यह सपा सरकार के दौरान हुए दंगे, घोटाले, भ्रष्टाचार, जंगलराज और गुंडागर्दी बताती है। खाद्यान्न घोटाला, खनन

घोटाला, गोमती रिवर फ्रंट घोटाला, लैपटॉप घोटाला, भर्ती घोटाला, ईपीएफ घोटाला, समाजवादी पेंशन घोटाला, बेरोजगारी भत्ता घोटाला सहित लंबी फेहरिस्त है। डिप्टी सीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार से उगाही आय से अधिक संपत्ति में अखिलेश यादव और उनका कुनबा आकंठ डूबा है। अखिलेश बताएं कि उनके पास बेहिसाब संपत्ति कहां से आई है? उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए अखिलेश यादव और उनके कुनबे के लोगों ने सरकारी खजाने को लूटा भी है और अपने करीबियों से लुटवाया भी है। प्रदेश का बच्चा–बच्चा जानता है कि अखिलेश ने खुद भी खुली लूट मचाई, कुनबे को भी लूट की छूट दी और करीबियों को भी इस लूट का हिस्सा बनाया। अब लूट को छिपाने के लिए झूठ लेकर आते हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि अब जब भ्रष्टाचार करने वालों पर जांच में छापा पड़ रहा है, तो अखिलेश के माथे से १० डिग्री की ठंड में भी पसीना आ रहा है। यह बताता है कि शकिस चोर की दाढ़ी में तिनकाश है। सत्ता में रहते हुए सपा सरकार में कोई ऐसा विभाग नहीं था, जिसमें इस कुनबे ने खुली लूट न मचाई हो, जो लोग २०१७ से पहले बड़े पदों का दुरुपयोग कर पैसे 'छापा' करते थे, वो आजकल 'छापा' शब्द कान में आते ही 'छटपटाने' लगते हैं। सत्ता में थे, तो लूट और अब जब जनता ने सत्ता से हटा दिया, तो झूठ के अलावा अखिलेश को कुछ नहीं सूझता।

उत्तरी–पश्चिमी बर्फीली हवाओं से राजधानी का पारा धड़ाम

लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद आ रहीं उत्तरी–पश्चिमी बर्फीली हवाओं से राजधानी का पारा धड़ाम हो गया। सोमवार का दिन साल का सबसे ठंडा दिन रहा। राजधानी का न्यूनतम पारा लुढ़ककर ५.५ डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। बुधवार से शीतलहर से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। सोमवार को सुबह से ही शीत लहर के चलते लोग ठंड से कांप उठे। सड़कों पर सन्नाटा रहा। मजबूरी में ही लोग घरों से बाहर निकले। गलन भरी ठंड से बचने के लिए लोग घरों में ही कैद रहे और हीटर के साथ अलाव का सहारा लेते नजर आए। दिन में तेज धूप निकली जिससे लोगों को ठंड से कुछ राहत जरूर मिली। अधिकतम तापमान में मामूली सुधार हुआ। यह २० डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि पिछले दिनों पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश हुयी थी। जिसके चलते अब उत्तरी घ्पश्चिमी बर्फीली हवाएं आ रही हैं। जिससे लखनऊ सहित प्रदेश के कई शहरों में ठंड बढ़ी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी यही स्थिति बनी रहेगी। बुधवार से शीत लहर से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके बाद शीतलहर का प्रकोप समाप्त हो जाएगा।

पनामा पेपर लीक मामले में ऐश्वर्या राय को ईडी का नोटिस

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री और बच्चन परिवार की बहू ऐश्वर्या राय की बहुचर्चित पनामा पेपर

लीक मामले में मुश्किलें बढ़ सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को समन भेजा है। हालांकि, ऐश्वर्या राय बच्चन नोटिस पर आज ईडी के सामने पेश नहीं होंगी। इसके लिए उन्होंने ईडी मुख्यालय को पत्र भी लिखा है। ऐश्वर्या राय बच्चन को आज दिल्ली के लोकनायक भवन में ईडी के समक्ष पेश होना था। ईडी ने फेमा के तहत ऐश्वर्या राय को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए दिल्ली मुख्यालय बुलाया था। लेकिन ऐश्वर्या राय ने ईडी को एक पत्र भेजकर खुद के उपस्थित नहीं हो पाने की जानकारी दी है। जिसके बाद अब ईडी उन्हें एक नया नोटिस जारी करेगा। ऐसे में ऐश्वर्या को अब दूसरे नोटिस के बाद ईडी के सामने पेश होना होगा। पनामा पेपर्स मामले की जांच काफी समय से चल रही है और ईडी के अधिकारी देश की कई बड़ी–बड़ी हस्तियों से पूछताछ कर चुके हैं। इस मामले में पिछले महीने ऐश्वर्या पति और एक्टर अभिषेक बच्चन से भी पूछताछ की गई थी। सूत्रों की माने तो ईडी ने ऐश्वर्या राय से पूछे जाने वाले सवालों की लिस्ट तैयार कर ली है। आपको बता दें कि पनामा पेपर्स लीक मामले में के करीब ५०० लोगों के नाम सामने आ चुके हैं। जिनमें कई राजनेता, फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता, खिलाड़ी और बिजनेसमैन के नाम हैं। इन लोगों पर देश में टैक्स में बड़ी हेराफेरी करने का आरोप है।

आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने भूतनाथ मार्केट में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण से व्यापारियों को मुक्ति दिलाने हेतु नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में संगठन अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में सोमवार को व्यापारियों का १० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल नगर आयुक्त अजय द्विवेदी से नगर निगम कार्यालय लालबाग में मिला भूतनाथ मार्केट के व्यापारियों ने भूतनाथ बाजार में लगातार बढ़ते जा रहे अस्थाई अतिक्रमण एवं सड़कों पर ही बड़ी–बड़ी अस्थाई दुकानें बना कर सड़कों को अवरुद्ध किए जाने की शिकायत की तथा अवैध कब्जों से व्यापारियों को मुक्ति दिलाने की मांग की तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ,भूतनाथ मार्केट के कार्यवाहक अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने नगर आयुक्त से भूतनाथ मार्केट में महिलाओं हेतु पिंक टॉयलेट बनवाने की मांग की तथा उन्हें इस आशय का भी पत्र सौंपा। नगर आयुक्त ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए तुरंत ही जोन ७ की जोनल अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा सिंह को अवैध अतिक्रमण पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए । तथा भूतनाथ बाजार में तुरंत ही पिंक टॉयलेट का काम शुरू किए जाने का संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया। इसके अतिरिक्त पत्रकारपुरम गोमती नगर के अध्यक्ष गिरीश भार्गव ने पत्रकारपुरम मार्केट में सड़कों पर चौपाइयां एवं दोपहिया वाहनों के बेतरतीब खड़े होने के कारण बाजार में अव्यवस्था की शिकायत की तथा पत्रकारपुरम में पार्किंग व्यवस्था हेतु सहयोग मांगते हुए कार्य योजना बनाने की मांग की नगर आयुक्त ने पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए भी तुरंत ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सलमान खान ने की 'बजरंगी भाईजान' की घोषणा, जानें क्या कहा

मुंबई। बॉलीवुड के भाई जान के फैन्स उन्हें हर तरह से पसंद करते हैं. कई लोगों का मानना है कि सलमान खान की कुछ फिल्में उतनी खास ना होते हुए भी काफी चलती

हैं. इसकी पीछ का कारण लोगों का सलमान के लिए क्रेज ही है. ऐसे में एक बार फिर से सलमान के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है. ब लीवुड अभिनेता सलमान खान ने 'बजरंगी भाईजान' फिल्म के सीक्वल का एलान कर दिया है. बता दें कि सलमान खान के सफल फिल्मों में से एक फिल्म बजरंगी भाईजान को लोगों ने खूब प्यार दिया था. ऐसे में इस फिल्म के सीक्वल के एलान के बाद उनके प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है.अभिनेता ने रविवार को यहां फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के एक इवेंट शो में यह जानकारी दी. सलमान ने बेहद ही सरल अंदाज में 'बजरंगी भाईजान–२' का एलान किया. उन्होंने कहा कि वो जल्द ही इसपर काम शुरू करेंगे।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; ckt ib

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk deksj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

cgjkbp

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar @yahoo.in adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक